

Kwintina and M. A. T. Semis ①

Q - मनोवैज्ञानिक शोध का परिचय दें तथा इसके मुख्य प्रकारों का वर्णन करें।

या
मनोवैज्ञानिक शोध से आप क्या समझते हैं? इसके प्रमुख प्रकारों का वर्णन करें।

परिचय

Ans: -

मनोविज्ञान को सामाजिक विज्ञान की श्रेणी में रखा गया है। परन्तु अन्य सामाजिक विद्वानों तथा - समाज शास्त्र तथा शिक्षा से मनोविज्ञान में अधिक परतुनिष्पत्ता के कारण प्राकृतिक विद्वानों के अधिक करीब पाये जाने के कारण मनोवैज्ञानिक शोधों में अधिक वैज्ञानिकता पाई जाती है। अतः मनोवैज्ञानिक शोध अन्य सामाजिक शोधों की तुलना में अधिक वैज्ञानिक तथा प्रकृतिक विद्वानों से शोधकम वैज्ञानिक है। इसी आधार पर मनोविज्ञान को व्यवहार परक विज्ञान का दर्जा दिया गया है। अतः सामाजिक मनोवैज्ञानिक शोधों में वैज्ञानिक शोध की विशेषताएँ बहुत ही कम पाई जाती हैं।

सामाजिक विद्वानों में मनोविज्ञान का एक महत्वपूर्ण स्थान है। विज्ञान की प्रगति शोधों पर आधारित है। मनोविज्ञान भी एक महत्वपूर्ण विज्ञान है। आज का मनोविज्ञान शोधों का ही परिणाम है। प्राकृतिक विद्वानों के साथ-साथ मनोविज्ञान भी नये-नये शोधों के कारण प्रगति पर चल रहा है।

परिभाषा

इसे मनोविज्ञानियों द्वारा शोध

की वैज्ञानिक ढंग से परिभाषित किया गया है जिन्हें निर्माकित प्रकृत है -

(i) पी. वी. मंग (P. V. Young, 1988) मदीय के अनुसार "शोध एक ऐसी व्यवस्थित विधि है, जिसके द्वारा नए तथ्यों को खोज तथा पुराने तथ्यों की पुष्टि की जाती है, और उनके अनुक्रमों परस्पर संबंधों, कारणों के आधारों एवं प्राकृतिक निर्माणों, जो उन्हें संचालित करते हैं, का अध्ययन किया जाता है।

इनके द्वारा बहुत शोध को नए ज्ञान की खोज तथा पुराने ज्ञान के पुष्टि करने के अर्थ में परिभाषित किया गया है।

(Theodas) (ii) थियोडोरसन तथा थियोडोरसन (1969) के अनुसार "शोध किसी समस्या के सुव्यवस्थित अध्ययन करने या किसी समस्या से संबंधित ज्ञान को बढ़ाने के निष्पक्ष प्रयास को कहते हैं।

(Kodis) (iii) कर्लिगर (1986) के अनुसार "वैज्ञानिक शोध, प्राकृतिक घटनाओं के बीच अनुमानित सम्बन्धों की खोज हेतु निर्मित परिकल्पनाओं का व्यवस्थित, नियंत्रित तथा आलोचनात्मक अनुसंधान है।

मह परिभाषा अलग सभी से अधिक समग्र, स्पष्ट तथा संतोषजनक है। इस परिभाषा में शोध स्वस्थ (Natural) की अधिक सफलता स्व सक्षमता से स्पष्ट किया गया है।